Naidunia (Indore), 08th September 2025, Page-04

उपलब्धि

31 अगस्त से पांच सितंबर तक अजरबैजान के बाकू में आयोजित हुई थी प्रतियोगिता

आइआइटी इंदौर ने भारतीय संस्थानों में प्राप्त किया दूसरा स्थान

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर के विद्यार्थियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अजरबैजान की राजधानी बाकू में 31 अगस्त से पांच सितंबर तक आयोजित इंटरनेशनल कालेजिएट प्रोग्रामिंग कांटेस्ट (आइसीपीसी) में आइआइटी इंदौर की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए देशभर में दूसरा और चेन्नई मैथमेटिकल इंस्टीट्यूट ने पहला स्थान प्राप्त किया। साथ ही आइआइटी इंदौर की टीम ने पश्चिम एशिया में तीसरा स्थान और विश्व स्तर पर 72वां स्थान हासिल किया। टीम में पी. वेंकट शेखर, नरेन कुमार साई और निष्कर्ष लूथरा शामिल थे, जिन्होंने प्रतियोगिता में दी गई छह चुनौतीपूर्ण समस्याओं को हल कर यह उपलब्धि प्राप्त की।

टीम ने इससे पूर्व अमृतपुरी (केरल) और कानपुर में हुई क्षेत्रीय प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन किया था। इसके बाद आइसीपीसी एशिया वेस्ट रीजनल 2025 में नौवां स्थान प्राप्त किया।

यह उपलब्धि और भी खास है क्योंकि आइआइटी इंदौर ने कई नामी संस्थानों को पीछे छोड़ दिया। प्रतियोगिता में आइआइटी कानपुर विश्व स्तर पर 91वां, आइआइटी दिल्ली 97वां, आइआइटी रुड़की 98वां, आइआइटी बांबे 103वां, आइआइटी खड़गपुर 109वां और आइआइटी बीएचयू ने 117वां स्थान प्राप्त किया।

टीम में शामिल आइआइटी इंदौर के विद्यार्थी। ● सौजन्य

चेन्नई रहा इंदौर से आगे: भारतीय संस्थानों में केवल चेन्नई मैथमेटिकल इंस्टीट्यूट 60वां स्थान प्राप्त कर आइआइटी इंदौर से आगे रहा। वहीं, आइआइटी टीम ने आइसीपीसी वर्ल्ड फाइनल्स 2025 के लिए क्वालिफाई कर लिया है।

क्या है प्रतियोगिता

आइसीपीसी को सामान्य तौर पर प्रोग्रामिंग का ओलंपिक कहा जाता है। यह प्रतियोगिता कंप्यूटर विज्ञान और प्रोग्रामिंग के क्षेत्र में सबसे प्रतिष्ठित और चुनौतीपूर्ण प्रतियोगिताओं में से एक मानी जाती है। इसमें दुनियाभर के विश्वविद्यालयों की टीमें शामिल होती हैं और बेहद जटिल समस्याओं को सीमित समय में हल करना होता है।

प्रतिभाशाली छात्रों ने बढ़ाया संस्थान का मान

हमारे छात्रों की यह उल्लेखनीय उपलब्धि न केवल उनकी प्रतिभा और लगन को दर्शाती है, बल्कि आइआइटी इंदौर के सहयोगी शैक्षणिक परिवेश को भी दर्शाती है, जो नवाचार, टीम वर्क और उत्कृष्टता को बढ़ावा देता है। इससे संस्थान का मान बढ़ा है।

-कमांडर (सेवानिवृत्त) सुनील कुमार,
जनसंपर्क अधिकारी, आइआइटी इंदौर